पाठ 3: भारत की जलवायु

प्रश्न और क्रियाकलाप

प्रश्न 1. जलवायु के कारकों का उनके प्रभावों के साथ निम्नलिखित सूची में मिलान कीजिए –

कारक	प्रभाव
(1) अक्षांश	**(क)भारत में गर्मी के दौरान नमीयुक्त पवन को लाता है।**
(2) ऊँचाई	**(ख) उत्तर एवं दक्षिण में अलग-अलग जलवायु बनाता है।**
(3) समुद्र से निकटता	**(ग) ऊँचे स्थानों को अधिक ठंडा रखता है।**
(4) मानसूनी पवन	**(घ) तापमान को प्रभावित करता है।**

उत्तर:-

कारक	प्रभाव
(1) अक्षांश	(ख) उत्तर एवं दक्षिण में अलग-अलग जलवायु बनाता है।
(2) ऊँचाई	(ग) ऊँचे स्थानों को अधिक ठंडा रखता है।
(3) समुद्र से निकटता	(घ) तापमान को प्रभावित करता है।
(4) मानसूनी पवन	(क) भारत में गर्मी के दौरान नमीयुक्त पवन को लाता है।

प्रश्न 2. नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

(क) मौसम और जलवायु में क्या अंतर है?
उत्तर:

- मौसम किसी स्थान की अल्पकालिक वायुमंडलीय स्थिति को कहते हैं।
- जलवायु किसी स्थान के मौसम का लंबे समय (लगभग 30 वर्ष या अधिक) का औसत स्वरूप है।

(ख) समुद्र के निकट स्थित स्थानों का तापमान समुद्र से दूर स्थित स्थानों की तुलना में कम क्यों होता है?

उत्तर:

- समुद्र धीरे-धीरे गर्म और ठंडा होता है।
- यह आसपास के तापमान को संतुलित रखता है।
- इसलिए समुद्र के निकट तापमान कम उतार-चढ़ाव वाला रहता है।

(ग) भारतीय जलवायु को प्रभावित करने में मानसूनी पवन की क्या भूमिका है?

उत्तर:

- मानसूनी पवन भारत में वर्षा लाती है।
- यह कृषि और जल संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण है।
- मानसून के कारण भारत में गर्मी, वर्षा और सर्दी के मौसम स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

(घ) चेन्नई पूरे वर्ष गर्म क्यों रहता है, जबकि लेह ठंडा रहता है?

उत्तर:

- चेन्नई समुद्र के निकट और निम्न ऊँचाई पर स्थित है, इसलिए वहाँ तापमान अधिक रहता है।
- लेह हिमालय क्षेत्र में अधिक ऊँचाई पर स्थित है।
- ऊँचाई बढ़ने पर तापमान कम हो जाता है, इसलिए लेह ठंडा रहता है।

प्रश्न 3. इस पुस्तक के अंत में दिए गए भारत के मानचित्र को देखिए। लेह, चेन्नई, दिल्ली, पणजी, जयपुर इन शहरों की जलवायु को पहचानिए। क्या यह स्थान समुद्र के समीप हैं, पर्वत पर हैं या रेगिस्तान में हैं? ये कारक वहाँ की जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करते हैं?

उत्तर:

शहर	स्थिति	जलवायु पर प्रभाव
लेह	पर्वतीय क्षेत्र	अधिक ऊँचाई के कारण बहुत ठंडा
चेन्नई	समुद्र के निकट	पूरे वर्ष गर्म और आर्द्र
दिल्ली	अंतर्देशीय मैदान	गर्मी में बहुत गर्म, सर्दी में ठंडी
पणजी	समुद्र के निकट	मध्यम तापमान और अधिक वर्षा
जयपुर	रेगिस्तान के निकट	गर्मियों में अत्यधिक गर्म और शुष्क

प्रश्न 4. भारत के मानचित्र पर गर्मी और सर्दी के मानसून चक्र को प्रदर्शित कीजिए। गर्मियों और सर्दियों में पवनें कहाँ चलती हैं, इसके प्रतीक लगाइए। मानसून के दौरान पवनों की दिशा दिखाइए।

उत्तर:

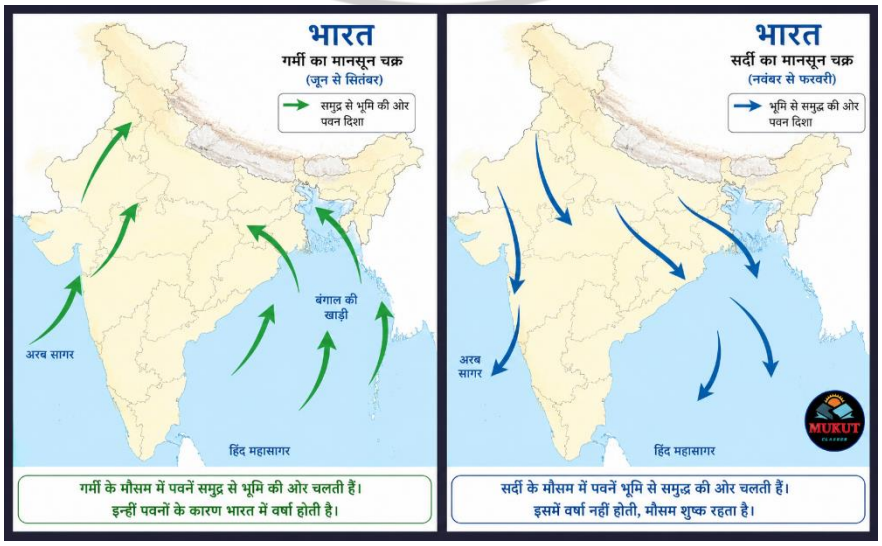

प्रश्न 5. भारत में कृषि और मौसम से जुड़े त्योहारों (जैसे- बैसाखी, ओणम) को दिखाते हुए एक रंगीन पोस्टर बनाइए। इन त्योहारों की तस्वीरें या रेखाचित्र लगाइए।

उत्तर: पोस्टर

भारत के कृषि आधारित त्यौहार

हमारी परंपरा, हमारी पहचान, हमारी समृद्धि

1 बिहू (रंगाली बिहू)

- अप्रैल (बैसाख माह)
- नृत्य, संगीत और दावत
- नई फसल के लिए प्रकृति का धन्यवाद

2 छठ पूजा

- अक्टूबर/नवंबर
- सूर्य देव की उपासना
- जीवन, ऊर्जा और समृद्धि के लिए धन्यवाद

3 मकर संक्रांति

- 14 जनवरी
- पतंग उड़ाना और दावत
- फसल कटाई के मौसम की शुरुआत

4 बसाखी

- 13/14 अप्रैल
- प्रार्थना और जुलूस
- फसल और मेहनत का उत्सव

5 पोंगल

- 14–17 जनवरी
- पोंगल पकाना और धन्यवाद देना
- फसल उत्सव और समृद्धि का पर्व

6 आवे (आहोम शीतकालीन उत्सव)

- दिसंबर
- संगीत, नृत्य और खेल
- आदिवासी संस्कृति का उत्सव

7 हेमिस

- जून/जुलाई
- मुखौटा नृत्य और धार्मिक अनुष्ठान
- शांति, सद्भाव और शुभकामनाएं

8 लोसोंग उत्सव

- मई
- नृत्य, संगीत और नाटक
- अच्छी फसल के लिए धन्यवाद

9 गुड़ी पड़वा

- मार्च/अप्रैल
- जुलूस और पूजा
- नए वर्ष की खुशियों की शुरुआत

10 लोहड़ी

- 13 जनवरी
- आग के चारों ओर घुमना, गीत और नृत्य
- अच्छी फसल के लिए धन्यवाद

11 ओणम

- अगस्त/सितंबर
- नौका दौड़, दावत और ओणम साद्या
- राजा महाबली की याद में उत्सव

क्या आप जानते हैं?

ये त्योहार हमारी कृषि पर आधारित जीवनशैली, प्रकृति के प्रति सम्मान और मेहनत का प्रतीक हैं। इनसे हमारी संस्कृति और एकता मजबूत होती हैं।

आइए, सम्मान करें और आनंद लें:

- हमारी संस्कृति
- हमारी परंपराएं
- हमारे पर्व
- हमारा समाज
- एक-दूसरे का

एकता में शक्ति है, संस्कृति में हमारी पहचान है।

प्रश्न 6. कल्पना कीजिए कि आप भारत में एक किसान हैं। बरसात के मौसम के लिए आप कैसे तैयारी करेंगे? इस बारे में डायरी में संक्षेप में लिखिए।
उत्तर:

डायरी

दिनांक: _____

आज मैंने आने वाले बरसात के मौसम की तैयारी शुरू कर दी है। मैंने खेत की जुताई करवाई और अच्छी गुणवत्ता के बीज खरीदे हैं। खेत में पानी निकासी की व्यवस्था भी की है ताकि अधिक वर्षा से फसल को नुकसान न हो।
मैंने खाद और कृषि उपकरणों की भी व्यवस्था कर ली है। मुझे आशा है कि इस वर्ष अच्छी वर्षा होगी और फसल अच्छी होगी।
– एक किसान

MUKUTclasses

To get notes visit our website
mukutclasses.in